

॥ गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ गणेश्वराय नमः		ॐ यज्ञकायाय नमः	
ॐ गणक्रीडाय नमः		ॐ सर्वात्मने नमः	
ॐ महागणपतये नमः		ॐ सामबृंहिताय नमः	
ॐ विश्वकर्त्रे नमः		ॐ कुलाचलांसाय नमः	
ॐ विश्वमुखाय नमः		ॐ व्योमनाभये नमः	
ॐ दुर्जयाय नमः		ॐ कल्पद्रुमवनालयाय नमः	
ॐ धूर्जयाय नमः		ॐ निम्ननाभये नमः	
ॐ जयाय नमः		ॐ स्थूलकुक्षये नमः	
ॐ सुरूपाय नमः		ॐ पीनवक्षसे नमः	
ॐ सर्वनेत्राधिवासाय नमः	१०	ॐ बृहद्भुजाय नमः	३०
ॐ वीरासनाश्रयाय नमः		ॐ पीनस्कन्धाय नमः	
ॐ योगाधिपाय नमः		ॐ कम्बुकण्ठाय नमः	
ॐ तारकस्थाय नमः		ॐ लम्बोष्ठाय नमः	
ॐ पुरुषाय नमः		ॐ लम्बनासिकाय नमः	
ॐ गजकर्णकाय नमः		ॐ सर्वायवसम्पूर्णाय नमः	
ॐ चित्राङ्गाय नमः		ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः	
ॐ श्यामदशनाय नमः		ॐ इक्षुचापधराय नमः	
ॐ भालचन्द्राय नमः		ॐ शूलिने नमः	
ॐ चतुर्भुजाय नमः		ॐ कान्तिकन्दलिताश्रयाय नमः	
ॐ शम्भुतेजसे नमः	२०	ॐ अक्षमालाधराय नमः	४०

ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः
 ॐ विजयावहाय नमः
 ॐ कामिनीकामनाकाममालिनी-
 केलिलालिताय नमः
 ॐ अमोघसिद्धये नमः
 ॐ आधाराय नमः
 ॐ आधारधेयवर्जिताय नमः
 ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः
 ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः
 ॐ कर्मसाक्षिणे नमः
 ॐ कर्मकर्त्रे नमः ५०
 ॐ कर्मकर्मफलप्रदाय नमः
 ॐ कमण्डलुधराय नमः
 ॐ कल्पाय नमः
 ॐ कपर्दिने नमः
 ॐ कटिसूत्रभृते नमः
 ॐ कारुण्यदेहाय नमः
 ॐ कपिलाय नमः
 ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः
 ॐ गुहाशयाय नमः
 ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः ६०
 ॐ घटकुम्भाय नमः

ॐ घटोदराय नमः
 ॐ पूर्णानन्दाय नमः
 ॐ परानन्दाय नमः
 ॐ धनदाय नमः
 ॐ धरणीधराय नमः
 ॐ बृहत्तमाय नमः
 ॐ ब्रह्मपराय नमः
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः
 ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ७०
 ॐ भव्याय नमः
 ॐ भूतालयाय नमः
 ॐ भोगदात्रे नमः
 ॐ महामनसे नमः
 ॐ वरेण्याय नमः
 ॐ वामदेवाय नमः
 ॐ वन्द्याय नमः
 ॐ वज्रनिवारणाय नमः
 ॐ विश्वकर्त्रे नमः
 ॐ विश्वचक्षुषे नमः ८०
 ॐ हवनाय नमः
 ॐ हव्यकव्यभुजे नमः
 ॐ स्वतन्त्राय नमः

ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः
 ॐ सौभाग्यवर्धनाय नमः
 ॐ कीर्तिदाय नमः
 ॐ शोकहारिणे नमः
 ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः
 ॐ चतुर्बाहवे नमः
 ॐ चतुर्दन्ताय नमः ९०
 ॐ चतुर्थातिसम्भवाय नमः
 ॐ सहस्रशीर्षे पुरुषाय नमः
 ॐ सहस्राक्षाय नमः
 ॐ सहस्रपादे नमः
 ॐ कामरूपाय नमः
 ॐ कामगतये नमः

ॐ द्विरदाय नमः
 ॐ द्वीपरक्षकाय नमः
 ॐ क्षेत्राधिपाय नमः
 ॐ क्षमाभर्त्रे नमः १००
 ॐ लयस्थाय नमः
 ॐ लङ्कुप्रियाय नमः
 ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः
 ॐ दुष्टचित्तप्रसादनाय नमः
 ॐ भगवते नमः
 ॐ भक्तिसुलभाय नमः
 ॐ याज्ञिकाय नमः
 ॐ याजकप्रियाय नमः

॥ इति श्री गणेशपुराणे उपासनाखण्डे श्री गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः
सम्पूर्णा ॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

http://stotrasamhita.net/wiki/Ganapati_Astottara_Shatanamavali. This PDF was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>